

## 31908 - एक महिला किसी क्लिंटिस्टान के पास से गुज़री तो क्या वह सलाम करेगी ?

### प्रश्न

हम इस बात को जानते हैं कि औरत के लिए क्लिंटिस्टान की ज़ियारत करना वर्णित है, किंतु हम उस औरत के बारे में क्या कहेंगे जो क्लिंटिस्टान की चहारदीवारी से गुज़री, जबकि वह अपने रास्ते में थी, और उसने क़ब्रों को देखा तो क्या वह वर्णित ज़िक्र (दुआ) को पढ़ेगी या उस से बाज़ रहेगी या वह क्या करेगी ?

### विस्तृत उत्तर

उसके लिए वर्णित दुआ (अस्सलामो अलैकुम अह्लद्वियारे मिनल-मोमिनीन वल-मुस्लिमीन, व-इन्ना इन्-शा-अल्लाहो बिकुम लाहिकून, नस्-अलुल्लाहा लना व-लकुमुल आफियह) पढ़ने में कोई आपत्ति नहीं है, और उसके ऊपर कोई गुनाह नहीं है, क्योंकि उसने क़ब्रों की ज़ियारत का इरादा नहीं किया था और न ही वह क्लिंटिस्टान के अंदर गई, बल्कि वह बिना इरादे के उसके पास से गुज़री है।